(IJTBM) 2013, Vol. No.3, Issue No. III, Jul-Sep **e-ISSN: 2231-6868, p-ISSN: 2454-468X**

माध्यमिक स्कूल के छात्रों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना: एक प्रेरक तकनीक

POSITIVELY INFLUENCING SECONDARY SCHOOL STUDENTS: A MOTIVATIONAL TECHNIQUE

डॉ रचना प्रसाद
रीडर, समाजशास्त्र विभाग, विद्यावती मुकुंदलाल महिला महाविद्यालय, गाजियाबाद
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ

Dr Rachna Prasad
Reader, Dept of Sociology, Vidyavati Mukundlal Women's College, Ghaziabad

IJTBM

सारांश / ABSTRACT

हमारे देश में बच्चों को विभिन्न कारकों का सामना करना पड़ता है। जो उनके व्यवहार को प्रभावित करते हैं। बच्चों के साथियों, माता–पिता और यहां तक कि मीडिया, विशेष रूप से टेलीविजन, छात्रों को बहुत प्रभावित करते हैं। इन प्रभावों के कारण, कक्षा में छात्रों को सफलता के लिए प्रयास करने और सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना मुश्किल हो सकता है। इस लेख का उद्देश्य कॉलेज के माध्यम से मध्य विद्यालय के बच्चों को प्रभावित करने वाले प्रभावशाली कारकों पर चर्चा करना है, और छात्रों को सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में मदद करने के तरीकों पर चर्चा करना है।

Children in our country face various factors which affect their behavior. Children's peers, parents, and even the media, especially television, greatly influence students. These influences can make it difficult to motivate students in the classroom to strive for and achieve success. The purpose of this article is to discuss ways to help motivate middle school children to achieve success through college.

परिचय

प्रेरणा के दो अलग–अलग प्रकार हैंरू आंतरिक प्रेरणा, बाहरी प्रेरणा । दोनों प्रकार की प्रेरणा बहुत शक्तिशाली है और इसका उपयोग कक्षा में सकारात्मक परिणाम बनाने के लिए किया जा सकता है। आंतरिक प्रेरणा से तात्पर्य है जो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर से आता है। यदि कोई व्यक्ति किसी गतिविधि का आनंद लेता है, तो वे इसे किसी ऐसी चीज के विपरीत करने की संभावना रखते हैं जो उन्हें आनंद नहीं देती है। यही कारण है कि आंतरिक प्रेरणा इतनी महत्वपूर्ण है। शिक्षक, माता–पिता और परामर्शदाता छात्रों को कैरियर योजना विकसित करने में मदद करने के लिए आंतरिक प्रेरणा का उपयोग कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र कंप्यूटर में रुचि रखता है, तो वह कुछ ऐसा हो सकता है जिसे छात्र को कैरियर के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। शिक्षक विभिन्न कैरियर क्षेत्रों से अतिथि वक्ताओं को ला सकते हैं ताकि छात्रों को सही कैरियर मार्ग खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। शिक्षक भी छात्रों को नौकरी के छायांकन के अवसरों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। कई व्यवसाय हैं।

विद्यालय की भूमिका

विद्यालय की सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक है छात्रों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित करने के तरीके खोजना। कुछ स्कूलों ने छात्रों को आंतरिक और बाहरी प्रेरणा दोनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने की मांग की है। छात्रों की पहचान संख्या के साथ नाम बदल दिए जाते हैं। इस नीति ने छात्रों को एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित किया है, और बदले में उन्हें स्कूल में सफल होने के लिए प्रेरित किया है। यह हर शैक्षिक वातावरण में काम नहीं कर सकता है, या गोपनीयता के मुद्दों के कारण संभव हो सकता है, लेकिन यह एक दिलचस्प विकल्प है जो आंतरिक प्रेरणा का उपयोग करता है।

छात्रों को प्रेरित करने का एक और तरीका है कि उन्हें जवाबदेह बनाया जाए। स्कूल के किसी भी नियम को तोड़ने पर सजा मिलनी चाहिए। जिस तरह दुर्व्यवहार या नियम तोड़ने के लिए दंडित किया जाता है, अच्छा व्यवहार करने पर छात्रों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। लेखक का मानना है कि यदि छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्राप्त करते हुए देखा जाता है, तो उनके व्यवहार की नकल की जाएगी। यह अल्बर्ट बंडुरा के सोशल लर्निंग थ्योरी (मैकलियोड, 2011) से संबंधित है, जहां सीखना पर्यावरण से प्रभावित होता है। बच्चे पर्यावरण और उनके आसपास के लोगों का निरीक्षण करते हैं और उन लोगों या मॉडलों की नकल करते हैं। बंडुरा के सिद्धांत का पहला हिस्सा यह है कि बच्चे ऐसे मॉडल बनाएंगे जो नकल या नकल करेंगे, जो खुद के समान हैं, विशेष रूप से वे जो एक ही लिंग के हैं। इस सिद्धांत का दूसरा हिस्सा यह है कि जो लोग बच्चों के व्यवहार के साक्षी हैं वे या तो सकारात्मक या नकारात्मक रूप से व्यवहार को सुदृढ़ करेंगे, लेकिन इस बात की परवाह किए बिना कि बच्चा अनुमोदन प्राप्त करने के लिए अपने व्यवहार को बदल देगा। इस सिद्धांत के तीसरे भाग से पता चलता है कि छात्र खुद को उन मॉडलों के साथ जोड़ेंगे जो उन गुणों को प्रदर्शित करते हैं जिन्हें वे पहचान सकते हैं और वास्तव में इन व्यवहारों की नकल करते हैं।

निष्कर्ष

छात्रों को यह देखने की जरूरत है कि शिक्षा उनके लिए क्या कर सकती है। यह उन्हें गरीबी से निकाल सकता है, किशोर गर्भावस्था के जोखिम को कम कर सकता है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर सकता है। स्कूल में सफल होने के लिए उन्हें प्रेरित करने

के लिए जो भी करना चाहिए वह इसके लायक है। छात्रों को शैक्षिक यात्राएं पर ले जाना और उन्हें विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाने के साथ–साथ उन्हें उनकी पसंद के कैरियर क्षेत्र में नौकरी देने की अनुमति देना बच्चों को प्रेरित करने और भविष्य की योजना बनाने में मदद करता है।

जिन छात्रों के पास एक स्पष्ट कैरियर मार्ग नहीं है। नौकरी छाया के दौरान, छात्र ऐसे प्रश्न पूछने में सक्षम होते हैं जो उनके माता–पिता या शिक्षकों के पास होने की संभावना नहीं है। इसके अलावा, यह देखना कि एक संभावित कैरियर छात्र को क्या दे सकता है और उन्हें एक विशेष कैरियर के लक्ष्य को निर्धारित करने और अंतिम प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

शिक्षक इसे अकेले नहीं कर सकता माता–पिता को अपने बच्चों की शिक्षा में भी शामिल होना चाहिए। मेंटर और करियर कोच की सहयोग लेना भी कैरियर के विकास में काफी गार साबित हो रहा है। एक–एक या छोटे समूह के कैरियर और कॉलेज परामर्श उन छात्रों के लिए फायदेमंद है, जो अपने भविष्य की तैयारी करने के बारे में जानकारी नहीं देते हैं। छात्रों को क्षेत्र की यात्राएं पर ले जाना और उन्हें विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाने के साथ–साथ उन्हें उनकी पसंद के कैरियर क्षेत्र में नौकरी छाया देने की अनुमति देना बच्चों को प्रेरित करने और भविष्य की योजना बनाने में मदद करता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. *कैरियर कोच सूचना।ष (छ.क)। अरकंसास विभाग में कैरियर*
2. *शिक्षा से लिया गया:* www-ace-arkansas-gov [*19 दिसंबर 2011 – 1 सितंबर 2012,।*
3. *ष्छात्रों के लिए पाठ्यक्रम की जानकारी।ष (एन.डी.)। श्रम सांख्यिकी ब्यूरो में से लिया गया:* http: //www-bls-gov/k12/ [*१२मई २०१३,।*
4. *ष्छात्रों के लिए पाठ्यक्रम की जानकारीष (एन.डी.)।* Career One Stop *में से लिया गया:* http: //www-careeronestop-org/ [*१२ मई २०१३,।*
5. *ष्बाहरी अभिविन्यास परिभाषा।ष (एन.डी.) से लिया गया:* www-Leadership&central-com [*२३ मई २०१३,।*
6. *फेसि, जे। (2011) ष्ए असेसमेंट के लिएरू ए–लेवल मार्किंग के लिए मिशिगन सभी क्षमताओं के छात्रों को प्रगति के लिए प्रेरित और सक्षम करने के लिए।ष शिक्षण इतिहास (144)रू 36–43*
7. *फ्लेमिंग, जी. ष्लर्निंग स्टाइल्स अपनी व्यक्तिगत सीखने की शैली को जानें और उसका उपयोग करें।ष (द.क.) से लिया गया:* www-home worktips-about-com [*१५ मई २०१३,।*

8. *हेंसन, डी। (2006)। ष्उच्च विद्यालय प्राप्ति क्रेडिट: एक कर क्रेडिट माता–पिता को प्रोत्साहित करने में मदद करने के लिए छात्रों को हाई स्कूल से स्नातक करने के लिए प्रेरित करने के लिए।ष ब्रिघम यंग विश्वविद्यालय।*

9. *एजुकेशन एंड लॉ जर्नल 1. 357–377।* Http://www-law2-byu-edu/jel/indeÛ-php\page¾Archives_2006_Issue_1 [1*2 मई 2013, से लिया गया था।*

10. *आंतरिक प्रेरणा परिभाषा (एन.डी.)। से लिया गया:* www-Leadership&central-com [*२३ मई २०१३,।*

11. *ष्जॉब शैडोइंगरू द बेनिफिट्स एंड हाउ इट्स डानष से लिया गया:* www-eÛaminer-com [*१५ मई २०१३,।*

12. *जॉन्स टर्मकिन्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन से लिया गया:* www-jhucsos-com/ [*२२ मई २०१३,।*

13. *मंजो, केके (2008)। ष्मध्यम वर्षों में छात्रों को प्रेरित करना।ष शिक्षा सप्ताह 27 (28)रू 22–25।* Http://www edweekorg/ew/articles/2008/19/28middle_ep-h27-html *से लिया गया।)* [*१५ मई २०१३,।*

14. *मैकलियोड, एस.ए. (2011)। ष्अल्बर्ट बंदुरा ६ सामाजिक शिक्षण सिद्धांत।ष बसने का भाव। से लिया गया:* http://www-simplypsychology-org/bandura-html [*२३ मई २०१३,*

IJTBM